IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

कोविड–19 और विवाह समारोह

डॉ. ललिता परिहार

असिस्टेंट प्रोफेसर– व्यावसायिक प्रशासन

राजकीय महाविद्यालय, जोधपुर।

प्रस्तावना ––

कोविड–19 ,सन –2020 में एक ऐसी बीमारी के रूप में पूरे विश्व में उभर कर आई है जिसमें एक वायरस के संक्रमण से संपूर्ण मानव जाति खतरे में पड़ गई है। चीन के वुहान शहर से इस कोरोना वायरस का पहला मरीज जानकारी में आया था तब से लेकर जून 2020 तक इस कोरोना वायरस का फैलाव संपूर्ण विश्व में फैल गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे वैश्विक महामारी घोषित कर दिया है कई राष्ट्रों द्वारा शट डाउन और लॉकडाउन कर लोगों को घरों में रहने तथा घरो से बाहर निकलने पर पाबंदी लगाने तथा कई कानूनी बंदिशों व प्रतिबंधों के द्वारा इसे रोकने के प्रयास किये जा रहे है सरकार द्वारा कोरोना जांच के निःशुल्क शिविर की सुविधाएं उपलब्ध करा कर इस बीमारी की रोकथाम के प्रयास किए जा रहे हैं। यह जानलेवा वायरस अलग अलग टाइप मैं बदल चुका है वायरस 2 इसी का एक रूप है 2 वायरस सबसे ज्यादा खतरनाक है यह मनुष्य के फेफड़ों पर असर करता है । भारत में कोरोना संक्रमण का पहला मामला 30 जनवरी को केरल में आया था वहाँ पर चीन के वुहान यूनिवर्सिटी से लौटे एक छात्र में कोरोनावायरस के लक्षण पाए गए थे । भारत में कोरोनावायरस से पहली मौत 12 मार्च को कर्नाटक के सऊदी अरब से लौटे 76 वर्ष के एक व्यक्ति की हुई थी।

कोरोना वायरस के कारण संपूर्ण विश्व की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है तथा इसका प्रभाव सामाजिक राजनीतिक और धार्मिक क्षेत्र पर भी हुआ है । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार कोरोनावायरस के तीन प्रमुख लक्षण है –

1– 1 घंटे तक लगातार खांसी आना ।

2– बुखार आना जिसमें शरीर का तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है ।

3– गंध और स्वाद का पता नहीं चलता है ।

यदि किसी व्यक्ति में यह लक्षण पाए जाते हैं तो उसे चिकित्सक के पास जाना चाहिए और दूसरे व्यक्तियों के सम्पर्क में नही आना चाहिए लेकिन यदि कोई व्यक्ति ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आता है तो उसे 14 दिन तक होम क्वॉरेंटाइन या सेल्फ आइसोलेट करना चाहिए ताकि यह संक्रमण दूसरों

तक नहीं पहुंचे । अमरीकी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी)के मुताबिक ठंड लगना, कंपकपी महसूस होना, मांसपेशियों में दर्द और गले में खराश होना भी कोरोना वायरस के लक्षण हो सकते हैं ।

–कोरोना वायरस से बचने के लिए व्यक्ति को अपने हाथ बार–बार साबुन या पानी से धोने चाहिए व सैनिटाइजर का भी इस्तेमाल किया जाना चाहिए , खांसते और छींकते वक्त टिशू पेपर का प्रयोग करना चाहिए और इस्तेमाल किए गए टिशू पेपर को फेंक कर वापस हाथ धोने चाहिए । हाथ धोए बिना आंख, नाक या मुंह को छूना नही चाहिए ।

–शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जाना चाहिए ।

–सोशल डिस्टेंसिंग या सामाजिक दूरी रखनी चाहिए सोशल डिस्टेंसिंग का मतलब है एक दूसरे से दूर रहना ताकि संक्रमण के खतरे से बचा जा सके संक्रमित व्यक्ति के नजदीक जाने पर विषाणु युक्त कंण सांस लेने पर शरीर में प्रवेश कर जाते हैं या किसी ऐसी जगह को उसी हाथ से आंख, नाक या मुंह को छूने से यह कंण दूसरे व्यक्ति के शरीर में पहुंच जाते हैं । कोरोना वायरस को रोकने से फैलने के लिए लोगों को एक जगह पर अधिक संख्या में लोगों के इकट्ठा होने पर सरकार द्वारा पाबंदी लगा दी गई है ।

–सभी शैक्षणिक संस्थानों स्कूल, विश्वविद्यालय, जिम, म्यूजियम और थिएटर को बंद रखा गया है।

–छात्रों के लिए ऑनलाइन क्लासेस शुरू की गई है। परीक्षाएं स्थगित कर दी गई है

– वर्क फ्रॉम होम द्वारा घर पर कार्य किया जा रहा है।

–किसी भी संस्था में अधिक संख्या में लोगों की मीटिंग नहीं की जा सकती है ।वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर जोर दिया गया है ।

–रेस्टोरेंट व होटल मे सामाजिक दूरी का पालन किया जा रहा है ।

–विवाह समारोह में 50 लोगों को बुलाने की अनुमति दी गई है ।

–अंतिम संस्कार में 20 व्यक्तियों को सम्मिलित करने की अनुमति दी गई है।

– यातायात के साधनों बस, ट्रेन, हवाई जहाज में यात्रा करते वक्त लोगों को सामाजिक दूरी का पालन करना अनिवार्य है ।

–बाजारों में कम से कम भीड़ हो इसका ध्यान रखना आवश्यक है।

– सभी चिकित्साकर्मचारियों व डॉक्टर को अपने परिवार दोस्तों एवं बच्चों से सामाजिक दूरी रखकर व कोरोना से बचाव सम्बन्धित उपाय करने आवश्यक है।

–कोरोना जैसी भयानक वैश्विक महामारी से बचने के लिए किए गए विभिन्न उपायों में विवाह समारोह में 50 से अधिक व्यक्तियों की अनुमति दी गई है ।

शाब्दिक दृष्टि से विवाह का अर्थ वधु को वर के घर ले जाने से है परंतु वास्तव में विवाह के अंतर्गत सभी समारोह व कर्मकांड आ जाते हैं इन के माध्यम से लड़के लड़की समाज द्वारा स्वीकार्य पति–पत्नी के संबंधों के बंधन में बंध जाते हैं और एक दूसरे के प्रति कुछ कर्तव्य व अधिकारों को निभाते है।

मेघातिथ के अनुसार विवाह कन्या को पत्नी बनाने के लिए एक निश्चित क्रम से की जाने वाली अनेक विधियों से संपन्न होने वाला पाणीग्रहण संस्कार है। समाज द्वारा स्वीकृत विधि के द्वारा पति–पत्नी के संबंधों में बंधने को ही विवाह कहा जाता है। वैवाहिक संबंधों के आधार पर ही परिवार का जन्म होता है यह संबंध समाज द्वारा स्वीकृत होता है जिसमें परिवार के सदस्य व निकटतम रिश्तेदार सम्मिलित होते हैं।

कोविड–19 से पूर्व होने वाले विवाह और कोविड–19 वैश्विक महामारी घोषित होने के बाद होने वाले विवाह में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं ।विवाह एक ऐसे सामाजिक संस्था है जो प्रत्येक समाज में पाया जाता है विवाह परिवार की आधारशिला है विवाह गृहस्थ आश्रम का प्रवेश द्वार है और ग्रहस्थ आश्रम सभी आश्रमों में श्रेष्ठ माना गया है ।विवाह के द्वारा व्यक्ति ग्रहस्थ आश्रम में प्रवेश कर चार पुरुषार्थ धर्म ,अर्थ ,काम और मोक्ष की प्राप्ति का प्रयत्न करता है। हिंदू विवाह एक धार्मिक संस्कार माना गया है ।मानव समाज की सत्ता एवं संरक्षण विवाह और परिवार पर आधारित है इसके कारण विवाह का हिंदू समाज में केंद्रीय संस्था के रूप में अत्यधिक महत्व है ।विवाह के कारण व्यक्ति को त्याग सेजीवन जीने की प्रेरणा और व्यक्तिवादी प्रवृत्ति के सामाजिकरण में सहयोग करने की प्रवत्ति बढ़ी है। विवाह सामाजिक जीवन को व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ।हिंदू धर्म में मोक्ष प्राप्ति जीवन का अंतिम लक्ष्य माना गया है और इसकी प्राप्ति के लिए संतान का होना आवश्यक है ।पुरुष को अपनी पत्नी के साथ ही मिलकर धार्मिक कार्य संपन्न करने का प्रावधान किया गया है। हिंदुओं में पाणीग्रहण संस्कार तथा विभिन्न धार्मिक नियम तथा परंपराओं के अनुसार विवाह संपन्न किया जाता है। समाज व्यक्ति को विशेष प्रकार का व्यवहार करने के लिए बाध्य करता है यदि व्यक्ति उन नियमो के विरुद्ध कार्य करते हैं तो समाज में उसकी निंदा होती है और सामाजिक दंड भी दिया जाता है उसे समाज से बहिष्कृत भी किया जाता है।

उद्देश्य

1–प्रस्तुत शोध में यह जानने का प्रयास किया गया है कि भारत मे विवाह समारोह का आयोजन किस प्रकार होता था।

2–कोविड–19 के कारण विवाह समारोह पर पडने वाले प्रभाव का मूल्यांकन करना।

शोध प्रविधि–

प्रस्तुत शोध में द्वितीयक समंको को के साथ–साथ अवलोकन विधि व साक्षात्कार विधि का प्रयोग किया गया है।

कोविड–19 से पूर्व होने वाले विवाह समारोह

1–कोविड–19 से पूर्व भारतीय समाज में होने वाले विवाह समारोह और मेहमानों पर काफी खर्च किया जाता था।

2–विभिन्न प्रकार के नये व खर्चीले रीति रिवाज पर व्यय किया जाता था। ऐसी ही एक नई परम्परा धनाड्य वर्ग द्वारा शुरू की गई जिसमें अलग–अलग थीम पर मेहमानों को बुलाया जाता था जैसे–आने वाले मेहमान पंजाबी ड्रेस पहन कर आएंगे और मेजबान द्वारा पंजाबी खाना ,पंजाबी डांस व पंजाबी संस्कृति के अनुरूप सजावट करना इसी प्रकार साउथ इंडियन थीम में दक्षिण भारतीय ड्रेस पहन कर आना, साउथ इंडियन शैली में डांस करना और साउथ इंडियन की भोजन की व्यवस्था करना आदि होता है।

3– वर वधु के परिवार द्वारा दस्तूरी या सगाई समारोह या संगीत समारोह जैसे छोटे–छोटे प्रोग्राम भी बड़े ही शानो–शौकत से किए जाते है थे जिनमें सगे संबंधियों को आपस में वस्त्र व आभूषणों का आदान प्रदान किया जाता था ।

4–होटल या रिसोर्ट में महिला संगीत का आयोजन किया जाता था ।इवेंट मैनेजर फूलों और विभिन्न लाइटों की रोशनी द्वारा नृत्य एवं संगीत की शाम का आयोजन करते थे जिसमें डांसरों द्वारा व परिवार के सदस्यों द्वारा विभिन्न नृत्य किए जाते और बड़ी संख्या में लोगो के भोजन की व्यवस्था की जाती थ

5– बड़े ही शानो शौकत से हाथी ,घोड़े और रथ से दूल्हा बारातियों के साथ बारात पर निकलता था जिसमें सजे धजे बाराती बैंड बाजा और ढोल पर नृत्य करते हुए जाते थे और पटाखे छोड़े जाते थे।

6–बड़ी संख्या में महंगे निमंत्रण पत्र छपवाये जाते थे था मेहमानों को घर–घर जाकर विवाह के लिए निमन्त्रण पत्र बाटे जाते थे।

7–फोटो ग्राफर द्वारा वर और वधु का अलग–अलग लोकेशन पर नृत्य करते हुए प्री वेडिंग शूट किया जाता था।

इस प्रकार विवाह समारोह में विभिन्न रस्म ,परंपराओं और रीति–रिवाजों को बड़ी संख्या में लोग उपस्थित होकर और खूब बड़े पैमाने पर खर्च किया जाकर संपन्न किया जाता था।

कोविड–19 का विवाह समारोह पर प्रभाव

समाज मे समय–समय पर विभिन्न कारणों से सामाजिक परिवर्तन होते है। ये समाजिक परिवर्तन स्वाभाविक व आकस्मिक होते है। सामाजिक परिवर्तन का प्रभाव व्यक्ति अथवा समूह पर न होकर संपूर्ण समाज पर पड़ता है सामाजिक परिवर्तन से समाज में बदलाव होते हैं इन सामाजिक परिवर्तन से व्यक्ति के विचारों, मनोवर्तियो, आदतों में परिवर्तन होता है जो समाज में परिवर्तन लाता है ।सरकारी गाइडलाइन के अनुसार कोरोना संक्रमण के कारण किसी भी विवाह समारोह में 50 से अधिक व्यक्ति सम्मिलित नहीं हो सकते हैं जिसका विवाह समारोह पर प्रभाव पड़ा है

1–कोरोनावायरस संक्रमण के कारण मार्च के अंतिम दिनों में देशभर में धारा 144 लगने और बाद में लॉकडाउन लगने से पूर्व में तय विभिन्न वैवाहिक तथा मांगलिक आयोजनों को रद्द किया गया ओर विवाह को स्थगित किया गया ।जिन लोगों को निमंत्रण भेजे गए थे उन्हें विवाह में नहीं आने के संदेश भेजे गए और परिवार के सदस्य द्वारा ही सादगी से विवाह समारोह विवाह संपन्न किए गए।

2–कहीं शादिया स्थगित होने के कारण और कोरोनावायरस के संक्रमण के कारण मेकअप आर्टिस्ट व ब्यूटी पार्लर को अपनी विभिन्न बुकिंग रद्द करनी पड़ी और उनका व्यवसाय को नुकसान पहुंचा ।

3– शादियों के लिए बुक किए गए कहीं मैरिज हॉल की बुकिंग कैंसिल की गई और अभी वर्तमान में भविष्य में भी 50 व्यक्तियों की उपस्थिति के कारण मैरिज हॉल की बुकिंग नहीं की जा रही है ।

4– कपड़ों के व्यवसाय पर भी कोरोना संक्रमण का प्रभाव पड़ा है विवाह समारोह में विभिन्न कार्क्रम में कई नई–नई ड्रेसस पहनी जाती थी सामाजिक दूरी को ध्यान में रखते हुए अब विवाह समारोह में महत्वपूर्ण रीति–रिवाज सम्पन्न किये जा रहे हैजिसके कारण कपड़ों की मांग में कमी आई है।

5 –सरकार द्वारा वीडियो ग्राफर और फोटोग्राफर पर भी रोक लगाने के कारण विवाह समारोह में इनका व्यवसाय भी प्रभावित हुआ है।

6–बारात में काम आने वाले बैंड बाजा, ढोल वाले ,घोड़े वाले ,पण्डित जी पर भी प्रभाव पड़ा है।

7– हलवाई व हलवाई के साथ काम करने वाले उसके सहयोगी इनके व्यवसाय इनकी भी बुकिंग स्थगित की गई है ।

8–कई इवेंट कंपनियां द्वारा विवाह समारोह की बुकिंग कैंसिल की गई और सादगी से विवाह समारोह संपन्न किए जा रहे हैं ।

9– आमंत्रण के लिए ई–निमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं व विवाह समारोह में स्वास्थ्य को महत्व देते हुए व कोरोना संक्रमण के फैलाव से बचने के लिए मेहमानों को घर से ही वर और वधु को आशीर्वाद देने के लिए कहा जा रहा है।

10–होटल व्यवसाय और रिसोर्ट की बुकिंग भी कैंसिल हुई है और इस व्यवसाय पर इस पर भी प्रभाव पड़ा है।

11– कई विवाह सादगी से संपन्न किए गए और वर व वधु द्वारा विवाह में खर्च होने वाली राशि को सरकारी सहायता कोष में दान दी गई।

12–सादगी से शादियां संपन्न होने के कारण कई व्यक्ति जो समाज के डर से शादियों में कर्ज लेकर बड़ी संख्या में लोगों को बुलाते थे वह कर्जदार होने से बच गए ।

13–विभिन्न विवाह समारोह में सरकारी गाइडलाइन की पालना करते हुए शादी में आने जाने वाले अतिथियों के लिए थर्मलस्कैनिंग ,सैनिटाइजेशन, हैंड सेनीटाइजर व मास्क लगाने की व्यवस्था की गई है।

14–विभिन्न होटल प्रबंधन की ओर से 50000 से लेकर ₹100000 तक के प्लान तैयार किए गए हैं जिसमें दुल्हन के मेकअप, मेहंदी, डीजे ,साउंड लंच डिनर व पंडित की व्यवस्था भी शामिल है खाने में वेलकम ड्रिंक, ब्रेकफास्ट ,लंच ,हाईटी डिनर, पान मुखवास की व्यवस्था है ।ब्राइडल मेकअप स्टेज एंड डेकोर ,साउंड डीजे, ढोल थालीकी व्यवस्था की गई है।

15–विवाह पंजीकरण का ऑनलाइन आवेदन कर सक्षम अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर डिजिटल सिग्नेचर के साथ ईमेल पर मैरिज सर्टिफिकेट प्राप्त किया जा सकता है।

निष्कर्ष–

कोविड–19 को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वैश्विक महामारी घोषित करने के पश्चात विश्व में कई आर्थिक, सामाजिक और धार्मिक प्रभाव हुए हैं। जिसमें एक महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तन विवाह समारोह पर हुआ है।कोरोना वायरस के बचाव मे सरकारी गाइडलाइन की पालना में विवाह समारोह को 50 व्यक्तियों की उपस्थिति में संपन्न करने की अनिवार्यता के कारण सादगीपूर्ण तरीके से विवाह समारोह आयोजित किये जा रहे है। इस महामारी के आंकड़ों से लोगो मे भय का माहौल हो गया है । हम सजग और सहज रूप में कोरोना से लड़ने में सक्षम है और हम नियमो का पालन कर इस पर नियंत्रण रख सकते है ।स्वास्थ्य को सर्वोपरि मानते हुए सामाजिक दूरी मास्क का प्रयोग ,सेनेटाइजर द्वारा हाथों को धोना आवश्यक है इसी के साथ सादगी से विवाह संपन्न किए जा रहे हैं जिसका समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है कई व्यक्ति कर्जदार होने से बच गए हैं और फालतू या व्यर्थ के खर्चों से बचा जा रहा है इस प्रकार इस विवाह की परंपराओं व रीति–रिवाजों में हुए परिवर्तन से भविष्य में भी केवल परिवार के सदस्य व निकटतम रिश्तेदारों की उपस्थिति में ही कम खर्चे पर व सादगी से विवाह संपन्न कराए जाने के विचारों को गति मिली है और भविष्य में भी लोगो द्वारा ऐसे ही विवाह संपन्न करने की सोच व मानसिकता बनी है।

सन्दर्भ सूची–––

डॉ. वी.इन.सिँह –सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण

मोतीलाल गुप्ता–भारत में समाज

कोविड–19 से सम्बंधित सरकारी गाईड लाइन